जोधपुर में मेजर दलपत सिंह जी के बलिदान दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में अध्यक्ष महोदय का सम्बोधन

---

1. जोधपुर, मारवाड़ की धरती शौर्य, वीरता और पराक्रम की धरती है। जोधपुर को अपने गौरवशाली इतिहास के लिए जाना जाता है। यह त्याग और बलिदान की पावन धरती है। मैं इस कार्यक्रम में उपस्थित सभी लोगों का अभिवादन करता हूँ, स्वागत करता हूँ।
2. आज हम सभी लोग शौर्य और पराक्रम के प्रतीक मेजर दलपत सिंह जी के 104वें बलिदान दिवस पर एकत्रित हुए हैं। मेजर दलपत सिंह जी को मैं अपनी विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करता हूँ।
3. भारत और राजस्थान के वीर योद्धाओं की गाथाएं केवल देश तक ही सीमित नहीं है, बल्कि हमारे योद्धाओं ने दुनिया के कई हिस्सों में अपनी शौर्य गाथाओं की अमिट छाप छोड़ी है। विदेशों में भी उनकी गाथाओं को बड़े ही सम्मान से पढ़ा जाता है।
4. मेजर दलपत सिंह जी एक ऐसे योद्धा थे, जिन्होंने अपने शौर्य और वीरता से, राजस्थान विशेषकर जोधपुर की धरती का नाम इतिहास में अमर कर दिया है। उनकी वीरता और बलिदान से न केवल भारत, बल्कि पूरे संसार के योद्धा उनसे प्रेरणा लेते हैं और उन्हे श्रद्धापूर्वक

नमन करते हैं। मैं सौभाग्यशाली हूँ कि मुझे उनके बलिदान दिवस कार्यक्रम से जुडने का अवसर मिला है।

5. रावणा राजपूत समाज एक ऐसा समाज है, जिसने अपनी कड़ी मेहनत, शौर्य, स्वाभिमान, और राष्ट्र के प्रति निष्ठा से हमेशा से ही देश और समाज की सेवा की है। रावणा समाज हमारे प्रदेश और देश का एक कर्तव्यनिष्ठ, परिश्रमी और स्वाभिमानी समाज रहा है।

6. शिक्षाविद श्री पन्नालाल जी रिसालदार, भामाशाह श्री बक्शी सिंह जी, समाज सेवी और स्वतंत्रता सेनानी श्री धनरूप जी आर्य जैसी समाज की अनेक शख्सियतों ने अपनी भूमिका से सदा देश व प्रदेश का मस्तक ऊँचा किया है।

7. रावणा राजपूत समाज के अंदर जो सामाजिक-आर्थिक परिवर्तन आया है, उसका कारण यह है कि इन वर्षों में यह समाज व्यापक रूप से जागरूक हुआ है।

8. राजस्थान के हर क्षेत्र के अंदर, जहां भी रावणा राजपूत समाज के लोग रहते हैं, अपने सेवा भाव, ईमानदारी और निष्ठा के लिए जाने जाते हैं। इससे अन्य समाजों को भी एक सकारात्मक दिशा मिलती है।

9. रावणा राजपूत समाज के युवाओं ने एक सकारात्मक सोच के साथ अपनी दिशा तय की है। आज शिक्षा, तकनीकी, विज्ञान, कौशल,

व्यापार, स्टार्ट अप....हर क्षेत्र में रावणा राजपूत समाज के नौजवान आगे बढ़ रहे हैं।

10. जिस तरीके से हमारे देश के अंदर व्यापक सामाजिक आर्थिक बदलाव हुए हैं, उसी तरीके से रावणा राजपूत समाज के अंदर व्यापक सामाजिक आर्थिक बदलाव लाने के लिए इस समाज के नेताओं ने सामाजिक कुरीतियों को समाप्त कर शिक्षा विशेषकर महिला शिक्षा पर विशेष ध्यान दिया है।

11. देश के अंदर हमारी शिक्षा पद्धति में और हमारे संस्कार और संस्कृति के लिए, जो समाज के अंदर काम हुआ है, उसके कारण इन 75 वर्षों की यात्रा में हमारे देश में व्यापक सामाजिक-आर्थिक परिवर्तन हुए हैं। मेरा निवेदन है कि हमें महिला शिक्षा पर विशेष ध्यान देना चाहिए।

12. आज देश के अंदर हमारे देश की महिलाओं ने चाहे सेना हो, अर्धसैनिक बल हों, फाइटर प्लेन हो, कंप्युटर हो, इंजीनियरिंग हो, मेडिकल हो, ज्ञान विज्ञान हो, कॉर्पोरेट सेक्टर हो, फाइनैन्स हो, तकनीकी हो या डिजिटल वर्ल्ड हो, हर क्षेत्र के अंदर आज भारत की महिलायें नेतृत्व कर रही हैं।

13. हमारे रावणा समाज की बहनें - बेटियाँ भी कई क्षेत्रों के अंदर नेतृत्व कर रही हैं। हमें इस सामाजिक परिवर्तन में महिला शिक्षा की ओर विशेष ध्यान देकर महिला शिक्षा को और बढ़ाना चाहिए। क्योंकि जब समाज में एक महिला शिक्षित होती है, तो उसके साथ एक पूरी पीढ़ी शिक्षित होती है, पूरा वंश संस्कारित होता है।

14. आज का दिन मेजर दलपत सिंह जी को याद करने का दिन है। वो एक महान-पराक्रमी योद्धा थे, जिन्होंने हाइफ़ा के युद्ध में जिस तरह से पूरे युद्ध का रुख बदल दिया था, वह अद्भुत था। हमें मेजर दलपत सिंह जी के जीवन, उनके युद्ध कौशल और साहस से प्रेरणा लेनी चाहिए। मेजर दलपत सिंह जी से प्रेरणा लेकर हमारे नौजवानों को नई दिशा मिलेगी।

15. उन्हें नया दृष्टिकोण मिलेगा कि साहस, कड़ी मेहनत और आत्मविश्वास से सब कुछ परिवर्तित किया जा सकता है। यह प्रेरणा हमें दलपत सिंह जी से मिलती है।

16. साथियों, आज प्रेरणा और संकल्प का दिन है। हम आज इस आयोजन में उनसे प्रेरणा लेकर जाए और अपने क्षेत्र में आगे बढ़ें। मैं पुनः रावणा राजपूत समाज को, आयोजकों और सब नेताओं को शुभकामनाएं देता हूँ। समाज के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री विक्रम सिंह भाटी

जी, और समाज के प्रदेश अध्यक्ष रणजीत सिंह सोडाला जी; जिन्होंने समाज में सामाजिक – आर्थिक परिवर्तन के लिए देश और प्रदेश में कई हज़ार किलोमीटर की यात्रा की। आपने समाज को संगठित किया; समाज को संगठित और संस्कारित करके व्यापक बदलाव लेकर आए हैं।

17. जब समाजों के अंदर सामाजिक आर्थिक बदलाव होता है, तब देश के अंदर भी सामाजिक आर्थिक बदलाव होता है। इसलिए हमारे देश में समाज व्यवस्था एक अभिन्न हिस्सा है।

18. आज आप सभी लोग यहाँ से संकल्प लेकर जाएं कि हमें अपने - अपने क्षेत्र में कठिन मेहनत करके आजादी के 75 साल की यात्रा में जो हमारा योगदान रहा, उससे ज्यादा योगदान हमें अगले 25 साल में जब भारत आजादी की 100वीं वर्षगाँठ बनाएं, तब हमें विकसित भारत बनाने में योगदान देना है, नया भारत बनाने में हमें योगदान देना है।

19. रावणा राजपूत समाज पर हमेशा मेरा पूरा भरोसा रहा है। समाज का प्यार, स्नेह और आशीर्वाद मुझे सदा मिलता रहा है। मैं हमेशा समाज के लोगों के साथ हूँ और सदा आपके साथ खड़ा हूँ।

20. समाज के बड़े-बुजुर्गों का नेतृत्व व मार्गदर्शन समाज को सदैव मिलता रहे और उनके आशीर्वाद से समाज के युवा सही दिशा में आगे

बढ़ते रहे, इन्हीं शब्दों के साथ, मैं एक बार फिर आप सभी को बधाई देता हूँ।

21. मुझे विश्वास है कि यह सम्मेलन हमारे देश और प्रदेश को सामाजिक तौर पर और अधिक मजबूत बनाएगा। मैं रावणा राजपूत समाज के सभी लोगों को और कार्यक्रम के आयोजकों को अनेक शुभकामनाएं देता हूँ।

धन्यवाद, जय हिंद।

———